

P&G CALLED MY PSYCHIATRIST

"Explain to me what the hell you did
with Cincinnati and Wall Street."



FERDINANDO FREGA

P&G ने मेरे मनोचिकित्सक को फ़ोन किया

“मुझे समझाओ कि तुमने Cincinnati और Wall Street के साथ आखिर क्या बवाल कर दिया।”

The P&G Saga · 19

घर का फ़ोन बजता रहा और किसी ने नहीं उठाया। मैं घर पर अकेला था, शावर में।

यह मेरे साप्ताहिक कोटे के भीतर आता था — वह एक शावर जिस पर मेरी पत्नी राज़ी हुई थी। वह कहती थी कि ज़्यादा नहाने से मर्द की चमड़ी खराब हो जाती है, कि मुझे बस उतना ही साफ़ रहना है जितना ज़रूरी हो।

पर सच यह है कि वह गैस का बिल बचाना चाहती थी।

और उसे यह भी लगता था कि अगर मैं नहीं नहाऊँगा, तो दूसरी औरतों के पास नहीं जाऊँगा। अफ़सोस, उसे नहीं पता था कि दूसरे घरों के शावर मुफ़्त थे। और बिना किसी शुल्क के।

आहाहाआहाह

मैं फ़ोन तक पहुँचा, पर वे तब तक फ़ोन रख चुके थे।

थोड़ी देर बाद वह फिर बजा। इस बार मैंने उठाया, और वे मेरे डॉक्टर थे — मेरे मनोचिकित्सक, एक विश्वविद्यालय के प्रोफ़ेसर जिनसे मैं पाँच साल से ज़्यादा समय से नहीं मिला था — जो मुझसे मिलना चाहते थे।

मैंने दिन और समय चुनना उन पर छोड़ दिया, अपनी ओर से तुरंत उपलब्धता के साथ: मैंने स्वीकार कर लिया, उसी दोपहर 5:30 बजे, उनके क्लिनिक में।

मैं बीस मिनट पहले पहुँच गया, मेरे पिता से विरासत में मिला एक पुराना नियम, जिसे उगते सूरज के देश के मैनेजरों ने भी अपनाया है।

किसी मुलाक़ात पर पहले पहुँचने का मतलब है कि आपने अनपेक्षित का हिसाब पहले ही लगा लिया है, और यह आपको भरोसेमंद और आत्मविश्वासी बनाता है।

मैंने उन्हें अपने कमरे से बाहर आते देखा। प्रतीक्षा-कक्ष उन लोगों से भरा था जिन्हें उन्हें देखना था; हर एक के पास अपॉइंटमेंट था और जेब में 150 यूरो, सिर्फ़ यह सुनने के लिए कि उन्हें आखिर क्या कहना है।

वे मेरी ओर आए और मेरा स्वागत किया: “प्रिय सहकर्मी, नमस्कार, स्वागत है, मैं तुम्हारा इंतज़ार कर रहा था।” फिर अपनी सेक्रेटरी की ओर मुड़कर: “कारमेन, सभी मरीज़ों को कम से कम एक घंटा आगे खिसका दो। मैं अपने सहकर्मी के साथ मीटिंग में हूँ।”

Minchia, सहकर्मी। मैं, स्कूल में इतालवी में दस में से 4 अंक और खेल-योग्यता के बल पर मिले डिप्लोमा वाला, और लोग सोचते हैं कि मैं डॉक्टर हूँ। ये आखिर क्या कर रहे हैं — क्या इनका दिमाग़ फिर गया है?

हम उनके दफ़्तर में गए और उन्होंने मुझे छोटे-से बैठक वाले कोने में बिठाया, एक आरामकुर्सी दूसरी के बगल में। मेरे लिए यह पहली बार था; मैंने उन्हें हमेशा मरीज़ बनकर देखा था। ज़रूर कुछ बड़ा चल रहा था, पर मैं समझ नहीं पा रहा था कि क्या।

“प्रिय Ferdinando, पहले मुझे बोलने दो, जितनी देर मैं चाहूँ, और फिर मैं तुम्हें तुम्हारे पाँच मिनट दूँगा।” आहाहाहाहहा

“मैं तुम्हें 2009 से जानता हूँ, जब तुम पहली बार मेरे पास आए थे, हमारे एक डॉक्टर मित्र के साथ जो अब इस दुनिया में नहीं रहे, और मैंने तुमसे कभी फ़्रीस नहीं ली।”

“मैं पुष्टि करता हूँ, प्रोफ़ेसर।”

“चुप रहो, लानत है, तुमसे बात करना मेरे लिए वैसे ही मुश्किल है, क्योंकि यहाँ हम सबने तुम्हारे बारे में एक बात समझ ली है, बिना युंग के और बिना दुनिया के दार्शनिकों के: तुम बस ऐसे इंसान हो जिसके होने की किसी को उम्मीद नहीं होती — और फिर भी, तुम यहाँ हो, मेरे शहर में, दुनिया का सिर घुमा रहे हो।”

“मैं संक्षेप में कहूँगा: मुझे समझाओ कि तुमने Cincinnati और Wall Street के साथ आखिर क्या बवाल कर दिया। क्या ऐसा हो सकता है कि मैं तुम्हें एक मिनट के लिए भी अकेला न छोड़ सकूँ?”

आहाहाहाहाह

“और फिर मैं हूँ — अठहत्तर साल का, विश्वविद्यालय का प्रोफ़ेसर, इतालवी मनोचिकित्सक संघ का राष्ट्रीय अध्यक्ष, दो सौ प्रकाशन — और मैं समझ नहीं पा रहा कि तुमने वेब को भेदकर रास्ता कैसे बना लिया।

“अमेरिका में जिसे भी मैं जानता हूँ, सबने मुझे फ़ोन किया। वे जानना चाहते थे कि क्या तुम्हारा बाइपोलर डिसऑर्डर का निदान असली है, और मैंने इसकी पुष्टि की — पर हम दोनों जानते हैं कि अगर मैंने ऐसा न किया होता, तो वे तुम्हारी 351 यूरो महीने की पेंशन छीन लेते।

“अब बताओ कि तुम क्या करते रहे हो। पर पहले मुझे पूछना होगा: क्या तुम कोई दवा ले रहे हो, और क्या ले रहे हो?”

“पाँच साल से कोई दवा नहीं। खून की जाँच में बस एक मान गड़बड़ है, पर चिंता की कोई बात नहीं।”

“चिंता की बात है या नहीं, यह मैं तय करता हूँ। कौन-सा मान?”

“टेस्टोस्टेरोन 1,400 पर...”

उन्होंने मेरी ओर देखा और जवाब दिया: “*Minchia*, और यह कैसे हुआ?”

“सारा क़सूर मेरी पड़ोसन का है। उसका पिछवाड़ा परीकथा जैसा है। उसे देखता हूँ और सब कुछ खड़ा हो जाता है।”

“मज़ाक बंद करो। चलो, गंभीर होते हैं।

“बताओ कि तुमने आखिर क्या किया।”

“मैंने वही किया जो आपने मुझे सिखाया था, पर बिना डिग्री के, बिना विशेषज्ञता के, बिना पढ़ाई के, बिना सेक्रेटरी के।”

“इसका क्या मतलब है? मैं समझा नहीं।”

“मैंने मानव व्यवहार का अध्ययन किया, लेखक का भेस धरा और उसे लिख डाला — ताकि कोई यह न कह सके कि मैंने बिना लाइसेंस के, बिना पंजीकरण के, बिना नुस्खे लिखे या निदान दिए चिकित्सा की।

“और मैंने अपने ग्राहक वेब पर ढूँढ़े। पर चूँकि मैं बिल नहीं काट सकता, मैंने तुरंत कुछ न बेचना बेहतर समझा। मैं यह बाद में करूँगा, पूरे कोर बिज़नेस के साथ, एक ही खिलाड़ी को — अगर वह अर्थगत जाल में फँसने को राज़ी हो।

“बस इतना ही।”

“मेरे पास तुम्हारे लिए बस एक सवाल है।

“भाषाओं में से इतालवी को बाहर क्यों रखा?”

“इटली ऐसी जगह है जहाँ आप पंद्रह दिन की छुट्टी बिता सकते हैं और अच्छा खा सकते हैं, पर फिर आपको निकल जाना होता है। वरना, जैसे ही लोग आपमें दिलचस्पी लेने लगते हैं, वे अनुचित हमले करते हैं, जिज्ञासु और यहाँ तक कि नीच हो जाते हैं, आपको बदनाम करते हैं और आपकी शिकायतें दर्ज कराते हैं।

“और दुनिया का इतिहास हमें सिखाता है कि इस देश ने कभी अपनी प्रतिभाओं को पहचाना नहीं — शुरुआत आपसे, और कहीं दूर देखने की ज़रूरत नहीं। अगर आप अमेरिका में पैदा हुए होते, तो आज आपकी ज़िंदगी कुछ और होती। जब आप विदेश से मान्यता लेकर लौटते हैं, तभी वे आपको मान्यता देते हैं — और तब भी, शक के साथ।

“और अठारह आपराधिक मुक़दमों के बाद मैंने यह ख़ुद सीख लिया, और मुझे किसी की इजाज़त माँगने की ज़रूरत नहीं।”

मैं उस आरामकुर्सी से उठा, घड़ी देखी और कहा: “आपसे कुछ कहने के लिए मेरे पास अभी एक मिनट बाकी है।

“प्रोफ़ेसर, धन्यवाद — और मैं आपसे प्यार करता हूँ।”

आपका Ferdinando